डिजिटल इकोनॉमी की ओर बढ़ रहा अब भारत भी : अरविंद बिरमानी

कोलकाता. भारत और एशिया के सबसे पुराने वाणिज्य और उद्योग संघ, कलकत्ता चैंबर ऑफ कॉमर्स की ओर से गुरुवार को एक सेमिनार का आयोजन किया गया. मौके पर मुख्य अतिथि व वक्ता के तौर पर उपस्थित नीति आयोग के सदस्य डॉ अरविंद बिरमानी ने कहा कि भारत भी अब डिजिटल इकोनॉमी की ओर बढ़ रहा है. उच्चस्तरीय सामाजिक सेवाओं की उपलब्धता से लोगों की औसतन जीवन शैली में सुधार आ रही है. सरकार ने गरीबों के लिए जीवन बीमा योजना का लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से नयी योजनाओं पर काम किया है. उन्होंने कहा : मुझे यह जानकर खुशी हो रही है कि सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि में तेजी आयी है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक सकारात्मक बदलाव का संकेत है. कृषि सहित विभिन्न क्षेत्रों में विकास, जो हमारी अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण घटक है, तेजी लाने के लिए जारी है. इसके अलावा, प्रौद्योगिकी संचालित और ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था पर ध्यान देने के साथ-साथ अमृतकाल का दृष्टिकोण भारत के विनिर्माण क्षेत्र को आगे बढ़ायेगा, जिससे यह वैश्विक बाजार में एक प्रमुख खिलाड़ी बन जायेगा. उनका कहना है कि भारत अपने विनिर्माण को मजबूत कर रहा है, क्षमता पर ध्यान केंद्रित करके और निर्यात, चीन जो कुछ भी करता है, उसका लाभ हमें मिलने की संभावना है. इसके अतिरिक्त, भारत का डिजिटल परिवर्तन स्पष्ट है. उल्लेखनीय है कि 70 फीसदी लेनदेन अब ऑनलाइन हो रहे हैं, जो ई-कॉमर्स की विशाल क्षमता को दर्शाता है. मैक्रोइकोनॉमिक्स और नीति सुधारों के सम्मानित विशेषज्ञ डॉ अरविंद बिरमानी ने व्यापारिक नीति और पेशेवर भारतीय अर्थव्यवस्था को आकार देने वाले वृहद रुझानों और एक लचीले, आत्मनिर्भर """न्यू इंडिया""" के लिए अपने अनुभव साझा किये. वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में चुनौतियों और अवसरों के बारे में उन्होंने कहा कि कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा और क्षेत्रीय मसलों पर नयी रणनीति बनायी जा रही है. डिजिटल इंडिया के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत किया जा रहा है. सरकार ने आइआइटी यूनिट भी खोली है. नागरिकों को पर्याप्त सुविधाएं प्रदान करने और रोजगार मुहैया कराने के लिए सरकार के व्यापक प्रयासों पर चर्चा की. कार्यक्रम में कलकत्ता चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष किशन कुमार केजरीवाल ने स्वागत भाषण दिया. मौके पर पूर्व अध्यक्ष आरके ढाजेड़ व उपाध्यक्ष हरिशंकर हलवासिया सहित कई सदस्य उपस्थित रहे.

सेमिनार में भाग लेते नीति आयोग के सदस्य डॉ अरविंद बिरमानी व अन्य.